

हरिभूमि सागर-चम्बल मूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 15 जून 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

खबर संक्षेप

30 मरीजों को परिजनों सहित उपचार हेतु भोपाल मेजा

गढ़ाकोटा। रविवार को विधायक गोपाल भागव ने 30 मरीजों को उनके 35 परिजनों सहित कुल 65 लोगों को 2 एम्बुलेंस एवं 1 बस के माध्यम से बेहतर उपचार हेतु निज निवास गणनायक से भोपाल रवाना किया गया। इनमें सुरखी विधान सभा क्षेत्र के मिडवासा निवासी दुर्गा एवं अंजलि लोधी जो गंभीर संक्रमण से पीड़ित हैं, तथा बड़ा मलहरा निवासी कंचौ बाई चढ़ार, जो हड्डी रोग से ग्रसित हैं, सहित कैसर, हृदय, किडनी एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित अनेक मरीज शामिल हैं। सभी मरीज आज भोपाल स्थित निवास पर विश्राम कर रहे तथा कल विभिन्न अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनके उपचार एवं आवश्यक जाँच की व्यवस्था की जाएगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें तथा उन्हें सुखी जीवन का आशीर्वाद दें।

नगर राजभाषा समिति की बैठक आज

सागर। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंको/उत्क्रमी/कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती हैं। सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही समीक्षा बैठक 15 जून को मध्याह्न 12.00 बजे से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नराकास, सागर के अध्यक्ष प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में राजघाट रोड, तिली, सागर स्थित होटल रॉयल पैलेस में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

खुरई में जेल रोड पर हुआ एक्सीडेंट, चार गंभीर

खुरई। जेल रोड पर एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार चार लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक दंपती और उनके दो बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को खुरई के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांचकारी के अनुसार, सनाई मंडीबागौरा थाना आगासौद बीना निवासी हेमंत अहिरवार (36), उनकी पत्नी माया अहिरवार (30), बेटी दिव्यांशी अहिरवार (12) और बेटे हरिओम अहिरवार (10) सनाई से माल्थौन थाने के लौगर गांव जा रहे थे। खुरई के जेल रोड से गुजरते समय पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। घायल हेमंत अहिरवार ने बताया कि वे अपने ससुराल लौगर में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का केसली हेलीपैड पर हुआ गरिमामय स्वागत

सागर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सागर जिले के केसली स्थित हेलीपैड पहुंचने पर गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े, दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, रहली विधायक गोपाल भागव, खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह, सागर विधायक शैलेंद्र जैन, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, देवरी विधायक ब्रज बिहारी पट्टिया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

केसली से मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात, 1.25 करोड़ लाडली बहनों के खातों में पहुंचे 1835 करोड़ रुपए

मातृशक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ता मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री यादव

हरिभूमि न्यूज़ | सागर

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की इस धरती ने अपने अंदर गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित भारत बनाने में अपना सहयोग दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सागर जिले के केसली में आयोजित लाडली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। लाडली बहना सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के कुल 53 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। जिसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्य का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमिपूजन किया गया एवं लाडली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मातृशक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार का कार्य कर रही है। लाडली बहना योजना जो कि आज तीसरे साल में प्रवेश कर रही है जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाडली बहना योजना हमारी माताओं बहनों



के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाडली बहना योजना से मिली राशि के एक-एक पैसे से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं। यह उनका समर्पण है, उनका अपना त्याग है। उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक स्तर में बड़ा सुधार आया है। उन्होंने कहा कि बहनों एवं मातृशक्ति के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। आज उनके मन में शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। कृषक कल्याण वर्ष में सरकार किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है उनके खेतों के लिए पानी की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंचाई के मामले

में मध्यप्रदेश में 44 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर तक सिंचित रकबा पहुंचा है और सरकार का लक्ष्य इसे 100 लाख हेक्टेयर करने का है। जब किसान के खेत में पानी आता है तो उसके साथ उसके जीवन में बदलाव आता है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार कार्य कर रही है। जहां सरकार ने गौमाताओं के लिए प्रतिदिन खर्च को बढ़ाया है, वहीं दुग्ध उत्पादन एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए सरकार योजनाएं चला रही है एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों तक लगातार प्रधान मंत्री पद रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की लोककल्याणकारी योजनओं के माध्यम से आज जरूरतमंदों को आवास, स्वास्थ्य सहित समस्त सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। धरतीआबा योजना के माध्यम से

जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाडली बहनों से जो वादा किया था, वह निभाया है। कृषक कल्याण वर्ष में किसानों का कल्याण किया जा रहा है, उनकी उपज को सरकारी दाम पर खरीदा जा रहा है। इस वर्ष 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। उन्होंने कहा कि पहली बार मध्यप्रदेश में किसानों की भूमि का अधिग्रहण होने पर उसका चार गुना मुआवजा किसानों को मिलेगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश सहित बुन्देलखंड में औद्योगिक विकास किया जा रहा है। उन्होंने शबरी माता के नाम पर माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर के भूमिपूजन पर आभार भी प्रकट किया।

मुख्यमंत्री के देवरी विधानसभा में पहली बार आगमन पर देवरी विधायक ब्रज बिहारी पट्टिया ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाओं के माध्यम से गरीब, महिला, किसान, युवा का कल्याण हो रहा है। आवासहीनों को आवास, भूमिहीनों को भूमि के पट्टे मिल रहे हैं और महिलाओं को संबल मिल रहा है। लाडली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं की समाज एवं परिवार में स्थिति मजबूत हुई है। धरती आबा योजना के माध्यम से जनजातीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। उपस्थित महिलाओं से कहा कि सरकार द्वारा आपके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनकी जानकारी लीजिए और पात्रता अनुसार उनका लाभ उठाएं।

बेखौफ अवैध मुरम खनन जारी: बिना अनुमति और रॉयल्टी के हो रहा खनन, अधिकारी बेखबर

हरिभूमि न्यूज़ | सागर

क्षेत्र के महुनाजाट गांव में अवैध मुरम खनन बेखौफ जारी है। माफिया दिन-रात शासकीय भूमि पर मुरम और पत्थर का अवैध उत्खनन व परिवहन कर रहे हैं। खनिज विभाग की उदासीनता के कारण यह कार्य बिना अनुमति और रॉयल्टी चुकाए खुलेआम हो रहा है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। हैनौता बांध के कारण महुनाजाट गांव का निचला हिस्सा डूब क्षेत्र में आता है। गांव के मुख्य रास्ते पर पहले ही अवैध मुरम खनन से खाई बन चुकी थी। अब इस खाई से सटी एक छोटी पहाड़ी के निचले हिस्से में भी खनन शुरू हो गया है। पिछले 10 से 15 दिनों से यहां लगातार मुरम निकाली जा रही है, जिसमें कई डंपर मुरम का परिवहन किया जा चुका है। खुदाई के लिए दो बड़ी मशीनें लगातार काम कर रही हैं, जिससे पहाड़ी को खोदकर गहरी खाई बनाई जा रही है। माफियाओं ने 900 फीट लंबाई में 20 से 25 फीट ऊंचाई तक पहाड़ खोद दिया है। इस



बड़े पैमाने पर हो रहे खनन से आगामी बारिश के मौसम में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा, खनन से बनी इन गहरी खाइयों के कारण शासकीय भूमि का भविष्य में कोई अन्य उपयोग संभव नहीं हो पाएगा। यदि उपयोग करना भी होगा तो भराव में भारी राशि खर्च करनी पड़ेगी। क्षेत्र में अवैध मुरम का उत्खनन जोरों पर है।

खनिज विभाग के अधिकारी इस पूरे मामले से बेखबर बने हुए हैं। बिना अनुमति और रॉयल्टी के निकाली गई इस मुरम का उपयोग शासकीय भवनों और निजी कार्यों में

भी धड़ल्ले से किया जा रहा है।

अवैध रेत का कारोबार कर रहे माफियाओं के सूत्र इतने मजबूत हैं कि अफसरों की कार्रवाई करने से पहले उन्हें भनक लग जाती है। इससे माफिया सतर्क हो जाते हैं। इसके चलते टीम के पहुंचने से पहले ही माफिया और उसके लोग सामान समेटकर रफूचककर हो जाते हैं। इससे टीम को बेरंग लौटना पड़ता है।

इस मामले में खुरई तहसीलदार ऋतु राय ने बताया कि अवैध मुरम खनन की सूचना मिली है। टीम को मौके पर भेजकर इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

06 अलमारियों से निकला सदियों पुराना दुर्लभ ज्ञान का...



07 श्योपुर की 01 लाख 07 हजार 761 बहनाओं को मिली...



खुरई में दंडनायक हनुमान मंदिर में चोरी: दानपेटी से 20 हजार रुपए उड़ाए

हरिभूमि न्यूज़ | खुरई

खुरई में चोरों ने कोर्ट परिसर और मुख्य मार्ग पर स्थित दो मंदिरों को निशाना बनाया। चोरों ने न्यायालय परिसर में मौजूद श्री दण्डनायक हनुमान मंदिर में चोरी की और दानपेटी तोड़कर हजारों रुपए समेट ले गए। वहीं, रजवांस रोड पर स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में भी चोरी की कोशिश की गई, लेकिन चोर वहां कामयाब नहीं हो सके। दण्डनायक हनुमान मंदिर के पुजारी ने जानकारी दी कि चोरों ने मंदिर की दानपेटी तोड़कर उसमें रखे करीब 18 से 20 हजार रुपए नकद चुरा लिए हैं। यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। लेकिन कैमरे दूर होने से चोरों के चेहरे स्पष्ट नहीं दिख रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि यह मंदिर खुरई के कोर्ट परिसर के अंदर स्थित है, जिसे सुरक्षा के लिहाज से बेहद सुरक्षित इलाका माना जाता है।

भारी होने की वजह से बची दानपेटी

चोरी की दूसरी कोशिश रजवांस

रोड पर रेलवे गेट के पास स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में हुई। यहां चौरों ने मंदिर के पीछे के गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए। मंदिर के पुजारी महेंद्र तिवारी ने बताया कि जब वे सुबह मंदिर पहुंचे, तो दानपेटी फर्श पर उखड़ी पड़ी मिली। दानपेटी काफी भारी और मजबूत थी, जिसे चोर न तो तोड़ पाए और न ही अपने साथ ले जा सके। इस वजह से इस मंदिर में चोरी होने से बच गए।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू

शहर और ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से स्थानीय लोगों में डर और चिंता का माहौल है। घटना की खबर मिलते ही खुरई शहरी थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह दांगी पुलिस टीम के साथ दोनों मंदिरों में पहुंचे और बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने बताया कि एक मंदिर में चोरी और दूसरे में चोरी के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जंगली सूअर 80 फीट गहरे कुएं में गिरा: वन विभाग ने 4 घंटे में सुरक्षित बाहर निकाला

खुरई। खुरई वन परिक्षेत्र के ग्राम बनहट में एक जंगली सूअर 80 फीट गहरे कुएं में गिर गया। वन विभाग की टीम ने लगभग चार घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला और पास के वन क्षेत्र में छोड़ दिया। यह घटना बनहट निवासी बेजनाथ अहिरवार के खेत में बने कुएं में हुई। वन विभाग को सूचना मिली कि पानी की तलाश में भटकता हुआ सूअर कुएं में गिर गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। स्थानीय लोगों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी जुगौलाल कोरी ने बताया कि शुरूआती प्रयासों के बाद जब सूअर को बाहर नहीं निकाला जा सका, तो पिंजरे का उपयोग किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद सूअर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वन विभाग की टीम ने सूअर की जांच की, जिसमें वह स्वस्थ पाया गया। इसके बाद उसे तत्काल रिहा कर दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण वन्यजीव अक्सर आबादी वाले क्षेत्रों और खेतों की ओर आ जाते हैं, जिससे ऐसी घटनाएं होती हैं। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के संकट में फंस्ने या आबादी क्षेत्र में दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करें।



केसली। लाडली बहनों के खाते में 1835 करोड़ की राशि ट्रांसफर करने के कार्यक्रम में केसली पथार मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह ने आत्मीय स्वागत किया।



नगर निगम के सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया

सागर। नगर पालिक निगम में दीर्घकालीन सेवाएं प्रदान करने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए कार्यपालन यंत्री विजय दुबे, उपयंत्री दिनकर शर्मा, रामाधार तिवारी एवं यूडीसी मनोज चौबे के सम्मान में नगर निगम सभाकक्ष में गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को शाल, श्रीफल, पुष्पहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी ने कहा कि सभी अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से कार्य करते हुए नगर विकास तथा शहर की जलप्रदाय व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की कार्यशैली, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। श्री तिवारी ने सेवाकाल से जुड़े अनेक संस्मरण साझा करते हुए कहा कि नगर निगम परिवार इनके योगदान को सदैव स्मरण रखेगा।

टीकमगढ़ में मिलीं 210 दुर्लभ पांडुलिपियां, अब होंगी डिजिटल रूप से संरक्षित

अलमारियों से निकला सदियों पुराना दुर्लभ ज्ञान का खजाना

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के बाद कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के नेतृत्व में जिले में ज्ञान भारतम् मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों की खोज और पंजीयन अभियान ने तेज गति पकड़ ली है। जिले के जैन मंदिरों एवं समाज के प्रतिष्ठित परिवारों में किए गए विशेष सर्वेक्षण के दौरान 210 से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं, जिनमें कई पांडुलिपियां 150 से 250 वर्ष पुरानी बताई जा रही हैं। इन प्राचीन ग्रंथों के सामने आने से जिले की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को नई पहचान मिली है।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने बताया कि टीकमगढ़ सदियों से समृद्ध जैन सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां की धरोहर केवल मंदिरों, प्रतिमाओं और स्थापत्य कला तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राचीन पांडुलिपियों के रूप में एक अमूल्य ज्ञान-संपदा भी यहां सुरक्षित रही है, जो अब आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित की जापूरी।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत देश की प्राचीन



ज्ञान परंपरा को संरक्षित और डिजिटाइज करने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी मनीष जैन और जिला नोडल अधिकारी अनुपम दीक्षित ने जैन मंदिर प्रबंधन और समाज के प्रबुद्धजनों के सहयोग से सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया। सर्वेक्षण के दौरान कल बाजार जैन मंदिर में संरक्षित 141, जैन प्रतिष्ठाचार्य संजय जैन के निवास पर सुरक्षित 7 तथा नया जैन मंदिर में रखी गई 62 पांडुलिपियों का ज्ञान भारतम् ऐप के

माध्यम से सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया। इस प्रकार एक ही दिन में कुल 210 पांडुलिपियों का डिजिटल पंजीयन संपन्न हुआ। कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि वर्षों से बस्तों, संदुकों और अलमारियों में सुरक्षित रखी गई ये दुर्लभ पांडुलिपियां अब डिजिटल अभिलेखन के माध्यम से स्थायी रूप से संरक्षित की जा सकेंगी। यह केवल दस्तावेजों का पंजीकरण नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति, ज्ञान परंपरा और भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर को सुरक्षित

रखने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के मार्गदर्शन में ज्ञान भारतम् मिशन की टीम ने जैन समाज के प्रबुद्धजनों और मंदिर पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित कर सर्वेक्षण प्रारंभ किया। इस कार्य में जैन प्रतिष्ठाचार्य संजय जैन, प्रदीप जैन, ज्ञानचंद जैन, विनय सुनवाहा, मयंक जैन और श्रीपाल नायक सहित समाज के अनेक वरिष्ठजनों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। विशेषज्ञों के अनुसार प्राप्त पांडुलिपियों में जैन धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथ जैसे आदिपुराण, शांतिनाथ पुराण, महावीर पुराण, पद्मपुराण, हरिवंशपुराण और उत्तरपुराण शामिल हैं। इन ग्रंथों में तीर्थंकरों, शलाका पुरुषों और अन्य महापुरुषों के जीवन, धर्म, तप, त्याग, आदर्श आचरण और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तृत वर्णन मिलता है।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन को जिले में जन-अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। आगामी 15 दिनों में राजस्व और पंचायत विभाग के अमले के माध्यम से गांव-गांव सर्वेक्षण कर प्राचीन पांडुलिपियों की खोज की जाएगी।

जहर डालने के आरोप, पर्यावरणीय संकट की आशंका से ग्रामीणों में आक्रोश

लुहरा तालाब में हुई लाखों मछलियों की रहस्यमयी मौत, कार्रवाई की उठी मांग



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

जिले के बल्देवगढ़ क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं चंदेलकालीन लुहरा तालाब में संधिध परिस्थितियों में लाखों मछलियों की मौत होने से पूरे इलाके सकते में है। तालाब के किनारों पर बड़ी संख्या में मृत मछलियां तैरती दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में लोग तालाब पर पहुंच गए और मछलियों की मौत के कारणों की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से तालाब में असामान्य स्थिति देखी जा रही थी, लेकिन अचानक बड़ी संख्या में मछलियों के मृत अवस्था में पानी की सतह पर तैरते मिलने से लोग स्तब्ध रह गए। तालाब के कई हिस्सों में मृत मछलियों के ढेर लगे दिखाई दिए, जिससे आसपास दुर्गंध फैल गई और पूरा वातावरण प्रभावित हो गया। लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी

संख्या में मछलियों की मौत सामान्य घटना नहीं हो सकती और इसके पीछे किसी साजिश या जहरीले पदार्थ के इस्तेमाल की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि तालाब में जहरीली दवा डाले जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। लोगों का कहना है कि मछली ठेकेदार बब्लू, रंगा रैकवार एवं अन्य लोगों द्वारा तालाब में जहर डाले जाने की आशंका है, जिसकी निष्पक्ष और गहन जांच कराई जानी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और प्रशासनिक जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों का कहना है कि मछलियों की मौत के बाद तालाब का पानी भी बुरी तरह दूषित हो गया है। स्थिति यह है कि अब तालाब का पानी जानवरों के पीने योग्य भी नहीं रह गया है। इससे आसपास के गांवों के पशुपालकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि गर्मी और मानसून पूर्व की स्थिति में कई ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों का पानी भी पशुओं और अन्य उपयोगों के लिए प्रमुख स्रोत बना रहता है।

8 घंटे कार्यदिवस और न्यूनतम वेतन की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

मध्य प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन के तत्वावधान में रविवार को जिले के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से टीकमगढ़ जिला इकाई का गठन किया गया। बैठक में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण, कार्यस्थल की समस्याओं के समाधान तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

बैठक में मध्य प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन के राज्य उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, छतरपुर इकाई के अध्यक्ष अनुभव तिवारी, सचिव ओमप्रकाश नामदेव तथा सह सचिव भानु सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता अनुभव तिवारी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने देश और प्रदेश के दवा प्रतिनिधियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने यूनियन द्वारा दवा प्रतिनिधियों के हित में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स लंबे समय से कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इनमें कार्य के लिए आठ घंटे

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स हुए संगठित जिला इकाई का हुआ गठन



की समय-सीमा निर्धारित करना, 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करना, दवा प्रतिनिधियों को कामगार का दर्जा प्रदान करना तथा नई श्रम संहिताओं से पड़ने वाले दुष्प्रभावों से सुरक्षा देना प्रमुख मांगें हैं। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि दवा प्रतिनिधि स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, लेकिन उन्हें कई प्रकार की व्यावसायिक चुनौतियों और अनसुझाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में संगठन को मजबूत बनाकर उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन और कंपनियों के प्रबंधन के समक्ष उठाया जाएगा।

इस अवसर पर टीकमगढ़ जिला इकाई के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। नगराटित जिला इकाई में बालकिशन विश्वकर्मा को अध्यक्ष, यश ठाकुर

एवं संजय मिश्रा को उपाध्यक्ष, मनमोहन वर्मा को सचिव, अभिषेक जैन एवं मोनु दांगी को सह सचिव तथा शिवम यादव को कोषाध्यक्ष चुना गया।

वहीं रामेश्वर लोधी, जितेंद्र सेन एवं निलेश जैन को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रशांत तिवारी, अरविंद विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, आयुष सेन, नंदकिशोर रैकवार एवं राघवेंद्र यादव का चयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को भरोसा दिलाया कि जिले के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स की समस्याओं को कंपनियों के प्रबंधन, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे।

छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण बैच संपन्न, एसपी ने गाकर बढ़ाया उत्साह

सिंहस्थ-2028 की तैयारी में जुटी टीकमगढ़ पुलिस

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

आस्था, श्रद्धा और जनसेवा के महापर्व सिंहस्थ-2028 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन की तैयारियों के तहत टीकमगढ़ पुलिस ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में जिला पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित छह दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण बैच का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल को भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रतिक्रिया, यातायात नियंत्रण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आपसी समन्वय और जनसेवा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों में दक्ष बनाना है।

पुलिस विभाग के अनुसार आगामी 26 दिसंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से जिले के समस्त पुलिस बल को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि सिंहस्थ-2028 जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में पुलिस बल पूरी क्षमता, संवेदनशीलता और दक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सके। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में आयोजित गरिमायय समारोह में पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान के व्यवहारिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रशिक्षण केवल तकनीकी दक्षता बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संवेदनशीलता, अनुशासन, सेवा भावना और उत्तरदायित्व को



आत्मसात करने का भी अवसर है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से प्राप्त फीडबैक को गंभीरता से सुना और भविष्य में प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी प्राप्त किए। समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों द्वारा देशभक्ति, प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे कार्यक्रम में उत्साह और आत्मीयता का वातावरण बना दिया। कार्यक्रम का सबसे विशेष और यादगार क्षण तब आया, जब प्रतिभागियों के आग्रह पर पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने स्वयं एक गीत प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक की इस सहज और आत्मीय सहभागिता ने अधिकारियों,

प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं के बीच संवाद, विश्वास और अपनत्व को नई मजबूती प्रदान की तथा समारोह को यादगार बना दिया। समापन अवसर पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान और सक्रिय सहभागिता के लिए प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रभारी रक्षित निरीक्षक कैलाश पटेल, निरीक्षक बृजेन्द्र चर्चोदिया, सुबेदार उत्तम सिंह सहित प्रशिक्षकगण और बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित रहे। टीकमगढ़ पुलिस का यह प्रशिक्षण अभियान केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना,

नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि सिंहस्थ-2028 की व्यापक तैयारियों में यह प्रशिक्षण पुलिस बल को और अधिक सक्षम, सजग, संवेदनशील तथा जनसेवा के प्रति समर्पित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने कहा कि सुदृढ़ प्रशिक्षण, संवेदनशील व्यवहार और जनसेवा के प्रति समर्पण ही किसी भी बड़े आयोजन की सफलता की वास्तविक शक्ति होते हैं। जब पुलिस स्वयं को निरंतर बेहतर बनाती है, तभी समाज को बेहतर सुरक्षा और विश्वास मिल पाता है।

ऑपरेशन मुस्कान से 88 परिवारों के खिले चेहरे पुलिस ने 80 बालिकाओं समेत 88 गुमशुदा नाबालिगों को मिलाया परिजनों से

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

किसी भी परिवार के लिए अपने बच्चे का गुम हो जाना जीवन की सबसे पीड़ादायक और चिंता भरी परिस्थितियों में से एक होता है। ऐसे परिवारों की टूटी उम्मीदों को फिर से संबल देने और गुमशुदा नाबालिग बच्चों को सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य

से टीकमगढ़ पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान को विशेष प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशनों में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत वर्ष 2026 में अब तक 88 गुमशुदा नाबालिगों को सुरक्षित दस्तयाब कर उनके परिवारों से मिलाया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की शीघ्र तलाश के लिए मजबूत मुखबिर तंत्र विकसित किया



जा तथा साइबर सेल के तकनीकी सहयोग का अधिकतम उपयोग करते हुए लगातार खोजबीन की जाए। अभियान की नियमित समीक्षा आरटी कोल और वेवेक्स बैठकों के माध्यम से स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा की जा रही है। पुलिस द्वारा 1 जनवरी से अब तक विशेष अभियान चलाकर जिले के कुल 88 गुमशुदा नाबालिगों को सुरक्षित दस्तयाब किया गया है। इनमें 8 बालक और 80 बालिकाएं शामिल हैं। बच्चों की तलाश के लिए पुलिस टीमों ने तकनीकी संसाधनों, साइबर विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से विभिन्न राज्यों और महानगरों में लगातार सच अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने संभावित स्थानों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, निर्माण स्थलों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में सतत खोजबीन और दबिश देकर गुमशुदा बच्चों का पता

लगाया। इस दौरान टीकमगढ़ पुलिस की टीमों ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और बिहार सहित विभिन्न राज्यों में पहुंचकर स्थानीय पुलिस से समन्वय स्थापित किया और सभी नाबालिगों को सुरक्षित दस्तयाब कर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उनके परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन मुस्कान केवल एक अभियान नहीं, बल्कि बिछड़े बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने और टूटी उम्मीदों को फिर से जीवित करने का संवेदनशील प्रयास है। बच्चों की सुरक्षित वापसी से अनेक परिवारों के जीवन में फिर से खुशियां लौटी हैं और पुलिस के प्रति उनका विश्वास भी और मजबूत हुआ है। गुमशुदा नाबालिगों की दस्तयाबी के क्षेत्र में टीकमगढ़ पुलिस के उत्कृष्ट कार्यों को प्रदेश स्तर पर भी सराहना मिली है। अप्रैल 2026

में पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित प्रदेश स्तरीय ऑपरेशन मुस्कान अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए टीकमगढ़ पुलिस को सम्मानित भी किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने कहा कि हर गुमशुदा बच्चा किसी परिवार की उम्मीद और भविष्य होता है। उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। टीकमगढ़ पुलिस संवेदनशीलता, तकनीक और समर्पण के साथ प्रत्येक बच्चे को उसके परिवार से मिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। टीकमगढ़ पुलिस की इस पहल ने न केवल 88 परिवारों की मुस्कान लौटाई है, बल्कि यह भी साबित किया है कि संवेदनशील पुलिसिंग और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग से बिछड़े बच्चों को सुरक्षित घर वापस पहुंचाना संभव है।

लुहरगुवां में खराब ट्रांसफार्मर से ग्रामीणों में दहशत, बड़े हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

बिजली वितरण केंद्र दिगौड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम लुहरगुवां ख़ास में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। गांव में लगा ट्रांसफार्मर पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग द्वारा कोई सुधार कार्य नहीं कराया गया है। खराब ट्रांसफार्मर के कारण गांव में केवल दो फेस की बिजली आपूर्ति हो रही है, जिससे आए दिन ट्रांसफार्मर और बिजली केबलों में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

इससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों व्याप्त हैं। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर के बुश पूरी तरह खराब हो चुके हैं, जिसके कारण विद्युत आपूर्ति असंतुलित हो गई है। स्थिति यह है कि ट्रांसफार्मर के आसपास लगभग रोजाना चिंगारियां निकलती हैं और आग लग जाती है। इससे न केवल बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि गांव के लोगों के घरों में लगे पंखे, टीवी, कूलर, मोटर, फ्रिज और अन्य विद्युत उपकरण भी बार-बार खराब हो रहे हैं। गांव के भैयालाल घोष, संतोष घोष, गब्बर सिंह, उजगल सिंह, पहलवान घोष, अरविंद सिंह, भजन घोष, विक्रम सिंह, तेज सिंह, इमरत सिंह, अरविंद घोष, आकाश घोष और विपिन घोष सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव की बिजली केबलों भी वर्षों से जल-जलकर जगह-



जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। कई स्थानों पर तार टूटे हुए हैं, जिससे करंट फैलने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या की सूचना कई बार बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों को दी जा चुकी है। इसके बावजूद आज तक न तो ट्रांसफार्मर की मरम्मत कराई गई और न ही जर्जर बिजली केबलों को बदला गया है। लोगों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर पदस्थ बिजली कर्मचारी भी समस्या के निराकरण में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जिससे गांव के लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चोटावनी पड़ है कि यदि शीघ्र ही ट्रांसफार्मर की मरम्मत और बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर ट्रांसफार्मर बदलने, जर्जर केबलों को बदलने तथा सुरक्षित और सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

केशवगढ़ के सामुदायिक भवन को मुक्त कराने की मांग जनकल्याण शिविर में उठा अवैध कब्जे का मुद्दा, कलेक्टर से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶टीकमगढ़

जिले की जतारा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनगढ़ में खंड स्तरीय जनकल्याण सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि पहुंचे। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत केशवगढ़ के सामुदायिक भवन पर कथित अवैध कब्जे का मामला भी प्रमुखता से उठा। केशवगढ़ की सरपंच श्रीमती शशि जैन एवं सरपंच प्रतिनिधि पुष्पेंद्र कुमार जैन ने कलेक्टर के नाम आवेदन देकर सामुदायिक भवन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत केशवगढ़ स्थित सामुदायिक भवन पर ग्रामवासी अंशुल यादव द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस संबंध में पूर्व में भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है। आवेदन में मांग की गई है कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर सामुदायिक भवन को तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाए, ताकि ग्रामीणजन इसका उपयोग सार्वजनिक कार्यों और सामाजिक



आयोजनों के लिए कर सकें। खंड स्तरीय जनकल्याण सेवा शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य अंजना मनोज जैन उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में केशवगढ़ के सरपंच प्रतिनिधि एवं जिला संगठन मंत्री सरपंच संघ जतारा पुष्पेंद्र कुमार जैन मौजूद रहे। शिविर में तहसीलदार मोहनगढ़ सावंत सिंह, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ जतारा, थाना प्रभारी मोहनगढ़ अंकित दुबे, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अंकित साहू, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर रिंकी तिवारी सहित मोहनगढ़ सॅकिल के समस्त सचिव, पीसीओ, उपयंत्री एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को वरिष्ठ अधिकारियों ने गंभीरता से सुना। कई शिकायतों का

मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि जटिल एवं गंभीर मामलों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को दो से तीन दिन का समय दिया गया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निराकरण किया जाएगा और लंबित मामलों में वैधानिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अंकित साहू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं जनपद सीईओ ने भरोसा दिलाया कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन प्रबुद्ध है।

रक्तदान के प्रति जिले में जागरूकता फैला रही 46 संस्थाओं के प्रतिनिधि सम्मानित

21 साल साल पहले रोपा उम्मीद का पौधा, आज बना सफलता का वटवृक्ष

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जिला अस्पताल परिसर स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने वाली 46 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मान पत्र वितरण किए गए. बड़ी बात यह है कि 21 साल पहले श्योपुर जिले में इस अभियान की शुरुआत तब हुई थी तब लोग रक्तदान के प्रति इतने अज्ञानी थे कि खुद अपने सगे रिश्तेदारों तक की जान बचाने के लिए रक्तदान नहीं करते थे. पर स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा इन 21 सालों में लोगों को रक्तदान के प्रति भ्रान्तियों को दूर करने के लिए जो अभियान शुरू किया गया वो आज जन आंदोलन बन चुका है. आए अब आए दिन रक्तदान शिविर आयोजित हो रहे हैं और जरूरत पड़ने पर रसक्तदान दाता एक कोल पर अस्पताल पहुंचकर अनजान के लिए भी रक्तदान करने पहुंच रहे हैं.

रविवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला



जन्मदिन और पुण्यतिथि पर भी हो रहे रक्तदान

रक्तदान के प्रति स्वयं सेवी संस्थाएं व्याप्त भ्रान्तियों को दूर करने में कितनी सफल हुई हैं इसकी बानगी आप दिन देखने को तब मिल जाती है जब लोग अपने जन्मदिन के अवसर पर भी ब्लड बैंक में रक्तदान करने पहुंच जाते हैं और अपने परिजनों की याद में पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं. कार्यक्रम किसी महापुरुष की पुण्यतिथि मनाने का हो या जन्मदिन मनाने का लोग रक्तदान शिविर का आयोजन करना नहीं भूलते कुल मिलाकर रक्तदान के प्रति व्याप्त भ्रान्तियों से अब श्योपुर ऊपर उठ चुका है लोग अपनी इच्छा से जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर रहे हैं खिना यह जानें की उनके द्वारा दान किया गया रक्त किसे चढ़ाया जाएगा।

चिकित्सालय ब्लड बैंक श्योपुर द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर आयोजक संस्थाओ का सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर 15 जून 2025 से 14 जून 2026 तक रक्तदान शिविरो का आयोजन करने वाली 46

संस्थाओ को ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय श्योपुर द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे पहुंचे अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने रक्तदान के प्रति समाज में व्याप्त भ्रान्तियों को मिटाने में सफल रहने पर

2005 में अंकुरित हुआ बीज आज बना बट वृक्ष

रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 2005 में रक्तदान के लिए जिले में रोल मॉडल बन चुके महावीर गुप्ता ने श्योपुर में पहला शिविर अपने छोटे भाई की पुण्य स्मृति में आयोजित किया था. तब लोगों में रक्तदान के प्रति भ्रान्तिया बहुत अधिक थी श्योपुर में रक्त संवहण की सुविधा भी नहीं थी किसी को रक्त चढ़ाना होता था तो उसे कोटा ले जाना पड़ता था सो कई सालों तक श्योपुर में रक्त दान किए गए रक्त की कोटा ब्लड बैंक में भेजा जाने लगा जहां श्योपुर के मरीजों को निःशुल्क प्रदाय किया जाता था. दरअसल समाज सेवी महावीर गुप्ता के भाई मुकेश गुप्ता का युवा अवस्था में इलाज नहीं मिलने से निधन हो गया था तब महावीर गुप्ता ने ऐसी अकाल मृत्यु किसी और की ना हो इस उद्देश्य से 2005 में पहले शिविर पुराना जिला अस्पताल परिसर में लगाया गया है जहां लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ जिले में पहली बार रक्तदान जैसा आयोजन हुआ जिसमें 61 लोगों ने रक्तित्त किया. इसके बाद महावीर गुप्ता हर साल रक्तदान शिविर आयोजित करते रहे बाद में इसे 6 माह में एक बार और अब तीन माह में एक बार आयोजित कर रहे हैं अन्य संस्थाएं भी समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित कर रही हैं. सैकड़ों युवा एक कोल पर रक्तदान करने ब्लड बैंक पहुंच रहे हैं कुल मिलाकर स्वयं सेवी संस्थाओं ने रक्तदान के प्रति व्याप्त भ्रान्तियां को दूर करने के लिए जो बीड़ा उठाया था वह आज सफल होता दिखाई पड़ रहा है.

स्वमसेवी संस्थाओ की प्रशंसा की और उन्हें अधिकतर रक्तदान शिविर ग्रामीण क्षेत्र में लगाने का परामर्श दिया उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीण रक्तदान के प्रति भ्रान्तियों को दूर नहीं करेंगे तब तक रक्त कि कमी से हम सबको दोचार होना पड़ेगा. इस अवसर पर पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, महावीर सिंह

सिसोदिया, सिविल सर्जन डॉ आर बी गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पुष्पा श्री फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण ओसवाल ने किया कार्यक्रम मे सभी सहयोगी संस्थाओ के प्रमुख, प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर जेसीआई श्योपुर द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

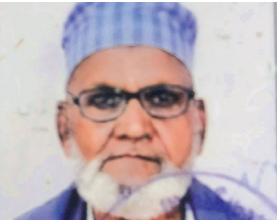
श्योपुर की 01 लाख 07 हजार 761 बहनाओं को मिली राशि



हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा रविवार को सागर जिले के देवरी में आयोजित राज्य स्तरीय लाइली बहना योजना कार्यक्रम के माध्यम से 37वीं किस्त के रूप में प्रदेश की 1.25 करोड़ लाइली बहनों को 1835 करोड़ राशि का अंतरण किया गया। कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में जिला एवं विकासखण्ड मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों पर कार्यक्रम आयोजित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्योपुर जिले की 01 लाख 07 हजार 761 लाइली

बहनाओं को उनके बैंक खाते में 1500-1500 रुपये की राशि प्राप्त हुई। श्योपुर की लाइली बहनाओं को माह जून के लिए कुल 15 करोड़ 90 लाख 68 हजार 700 रुपये की राशि अंतरित की गई। योजना के तहत श्योपुर जिले में कुल 1 लाख 7 हजार 761 बहनों को लाभ मिला है। नगरपालिका श्योपुर क्षेत्र की 11 हजार 672, नगर परिषद बड़ौदा क्षेत्र की 3356, नगर परिषद विजयपुर क्षेत्र की 2795, जनपद पंचायत क्षेत्र श्योपुर की 43 हजार 475, जनपद पंचायत कराहल क्षेत्र की 11 हजार 528 तथा जनपद पंचायत विजयपुर क्षेत्र की 34 हजार 935 लाइली बहनाओं को यह राशि प्राप्त हुई है।



समाजसेवी मतीन बाबू का निधन

श्योपुर। जन संसाधन विभाग में वर्तक के पद से सेवानिवृत्त हुए एसएम मतीन (मतीन बाबू) का रविवार को निधन हो गया वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे शाम करीब 4 बजे उन्होंने दौरान ए इलाज स्वाई माधोपुर में अंतिम सांस ली. वह बीआरसी कार्यालय में पदस्थ युसुफ अली के पिता थे. उन्हें रात करीब 10 बजे संकड़े वाले कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया।

15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा मध्यप्रदेश मत्स्य उद्योग अधिनियम एवं मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम अंतर्गत 16 जून 2026 से 15 अगस्त 2026 तक मत्स्य प्रजनन काल की अवधि होने के कारण इस बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, त्रय करने या इन्हें बेचने या पकड़ने या बेचने की चेष्टा करने, परिवहन करने या परिवहन का प्रयास करने पर प्रतिबंध रहेगा। इस प्रतिबंध का उल्लंघन किए जाने पर एक वर्ष तक के कारावास या 5 हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों दण्ड दिए जा सकेंगे।

नगरपालिका में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आज

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के शेष पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान किये जाने के उद्देश्य से नगरीय निकायो एवं जनपद पंचायतों में 12 से 18 जून तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन जारी है। इसी क्रम में नगरपालिका श्योपुर में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन 15 जून से किया जा रहा है।

सीएमओ राधेरमण यादव ने बताया

आज खेमजी मंदिर पर जुटेंगे किसान

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

क्षेत्र के किसानों की एक बैठक सोमवार 15 जून को दोपहर 1 बजे ग्राम मुंडला स्थित बाबा खेमजी मंदिर पर आयोजित होगी। जिसमें क्षेत्र के किसान जुटेंगे और किसान आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेंगे।

यह जानकारी किसान नेता राधेश्याम मुंडला ने देते हुए बताया कि इस बैठक में किसान आंदोलन की रूपरेखा बनाए जाने को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रीय किसानों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

ढोढर से श्योपुर तक पटरियों को बिछाने का काम युद्ध स्तर पर अंतिम चरण में पहुंचा नेरोगेज को ब्रॉडगेज में बदलने का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

वर्ष 2020 में बंद हुआ नेरोगेज का सफर अब विकसित स्वरूप (ब्रॉड गेज) के साथ जल्द शुरू हो सकता है. इसकी उम्मीद ढोढर खोजीपुरा से आगे श्योपुर तक ट्रैक पर पटरियां बिछाने के काम को देखकर होने लगी है. खोजीपुरा से श्योपुर की ओर जिस गति से पटरियां बिछाई जा रही है उससे लगता है कि रेलवे विभाग ने जो समय सीमा तय की है उसे समय सीमा में तक पटरियां बिछाने का काम पूरा कर लिया जाएगा।

इन दिनों खोजीपुरा से आगे ट्रैक पर बड़ी लाइन की पटरिया बिछाने का काम तेजी के साथ चल रहा है इन पटरियों को जब मालगाड़ी लेकर आती है तो उसे कोतुहलवश देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम ट्रैक के पास तक आ जाता है. ज्ञात हो की 2020 में जब कोरोना काल शुरू हुआ था तब नेरोगेज का संचालन बंद कर दिया था इसके बाद पटरिया उखाड़े जाने का काम शुरू हो गया तब से लेकर अब तक श्योपुर जिले के लोगों ने इस ट्रैक पर ट्रेन का सफर नहीं किया है जबकि पहले दिन में दो बार रेल



अब मार्च तक काम पूरा करने का लक्ष्य

परियोजना के अंतिम चरण के लिए (वीरपुर से श्योपुर के बीच) 666 करोड़ रुपये कीमत से पटरियां और पुल बनाने का कार्य जारी है। पूरा तो सभी बनाव लिए गए पटरियां बिछाने का काम थुड़ स्तर पर चल रहा है. रेलवे ने पहले इस काम को पूरा करने का लक्ष्य दिसंबर 2026 तक निर्धारित किया था.लेकिन दिसंबर तक यह काम पूरा होना संभव नहीं लग रहा है.इसलिए अब रेलवे ने इस काम को मार्च 2027 तक पूरा करने का नया लक्ष्य निर्धारित कर लिया है।

का आना जाना होता था ग्रामीणों के अनुसार ढोढर से गिरधरपुर तक की पटरिया बिछाने का काम लगभग किया जा चुका है, अब

वर्धा तक पटरियां बिछाने का काम शुरू होगा ज्ञात हो कि वर्धा को श्योपुर का रेलवे स्टेशन बनाया गया है।

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले: शुक्रवारे

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

केंद्र और राज्य की डबल इंजन वाली सरकार अनुसूचित जाति जन जाति वर्ग के हितग्राहियों के आर्थिक उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित की हुई हैं लेकिन जागरूकता की कमी के चलते कई लोग पात्र होते हुए भी योजना का लाभ नहीं ले पाते हैं. ऐसे पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने में कार्यकर्ता मदद करें. यह बात भाजपा अनुसूचितजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राम स्वरूप शुक्रवारे ने रविवार को भाजपा कार्यालय पर मोर्चा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक में सम्बोधन देते हुए कही. इस दौरान प्रदेश महामंत्री ने मोर्चा की बैठक लेते हुए उन्हें समझाईश दी की सरकारी योजना के बारे में हमारे वर्ग के लोगों को समझाइश दी जाए साथ ही इस समय समस्या निवारण शिविर आयोजित हो चुके हैं इन शिविरों में आप भी भागीदारी करें और अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का निवारण कराए. इन शिविरों में तत्काल समस्या का निराकरण किया जाना है अगर कोई अफसर इस मामले में लापरवाही बरतें तो



उसकी शिकायत कलेक्टर एसडीएम से की जाए इस दौरान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र अकोदिया, जिला महामंत्री संजय अकोदिया, पूर्व महामंत्री गिरधारी लाल बैरवा, रामरूप बिसारिया, भेरू लाल सेंगर, रिकू वाल्मीकि, अरुण धुलिया आदि उपस्थित रहे.

जिले की विभिन्न आयुष संस्थाओं सहित कई स्थानों पर हुए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हैबिल्ड हेल्थ टेक प्रायवेट लिमिटेड के सहयोग से 14 जून को ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया। आगामी 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व ऑनलाइन योग सत्र के लिए जनभागीदारी हेतु आयुष विभाग द्वारा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए पंजीयन अभियान चलाया गया था। जिला आयुष अधिकारी डॉ जीपी वर्मा ने बताया कि इस वर्ष अधिकधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तथा विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित था। आयुष मंत्रालय भारत शासन द्वारा हैबिल्ड हेल्थ प्रायवेट लिमिटेड के साथ मिलकर गिनीज



वर्ल्ड रिकार्ड बनाने हेतु आज 14 जून को प्रातः 6.15 से 7.35 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया गया। ऑनलाइन सत्र में विश्वभर से 4 लाख 35 हजार 831 लोगों द्वारा सहभागिता की गई। ऑनलाइन योग सत्र के दौरान श्योपुर जिले में आयुष विभाग की समस्त संस्थाओं एवं शहर के नगर पालिका पार्क, श्री हजारेश्वर शिव मंदिर प्रांगण, योगशाला बस स्टैंड,

पीजी कॉलेज, आदि स्थानों पर लोगों ने अपने-अपने मोबाइल से जुड़कर एवं अन्य नागरिकों ने अपने ही घर से जुड़कर ऑनलाइन यूट्यूब के माध्यम से योग अभ्यास किया और अधिक संख्या में ऑनलाइन जुड़कर गिनीज बुक में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। जिला जेल श्योपुर में भी टीवी स्क्रीन के माध्यम से योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गांवों में पहुंची मलेरिया विभाग की टीम, किया लार्वा सर्वे एवं स्पेस स्प्रे

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस.एन. बिंदल के निदेशन में मलेरिया नियंत्रण एवं मच्छर जनित रोगों की रोकथाम हेतु विकासखंड विजयपुर के ग्राम सेवापुरा में ग्राम स्तरीय मलेरिया जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर साहिब कुरैशी, बीसीएम कमल किशोर, सीएचओ पवन सेनी, एएनएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी समेचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों को मलेरिया रोग के कारण, लक्षण, जांच, उपचार एवं बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करते हुए समय पर जांच एवं उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं विकासखंड कराहल के ग्राम पनवाड़ा तिराहा स्थित रेंज कैम्पस पनवाड़ा में मलेरिया निरीक्षक नरसिंह गोड द्वारा लार्वा सर्वे एवं पायरेथ्रम स्पेस स्प्रे की कार्यवाही की गई। सर्वे के दौरान दो घरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया, जिसे तत्काल नष्ट कर स्रोत नियंत्रण की कार्यवाही की गई। साथ ही सात बुखार पीड़ित व्यक्तियों की अरखडी किट से मलेरिया



जांच की गई, जिसमें सभी की रिपोर्ट नैगेटिव प्राप्त हुई। अभियान के दौरान ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू एवं अन्य मच्छर जनित रोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि मलेरिया एवं डेंगू फैलाने वाले मच्छर स्वच्छ एवं रुके हुए पानी में पनपते हैं। इसलिए घरों में रखी पानी की टैंकियों, कुलरों एवं अन्य जल पात्रों को सप्ताह में कम से कम एक बार सफाई कर उन्हें सुखाने के बाद ही पुनः पानी भरना चाहिए।

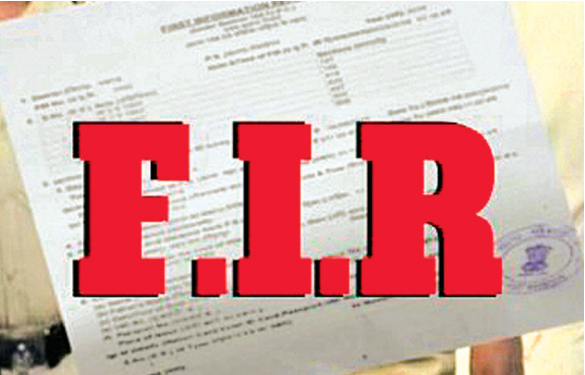
महिलाओं द्वारा ससुरालीजनों के खिलाफ एफआईआर कराने के आए दिन सामने आ रहे मामले

जागरूकता:पति की प्रताड़ना के खिलाफ मुखर हो रही महिलाएं, थाने में पहुंचकर दर्ज करा रहीं एफआईआर

हरिभूमि न्यूज►►श्योपुर।

घरेलू हिंसा और प्रताड़ना के खिलाफ महिलाओं की जागरूकता लगातार बढ़ रही है। अपने अधिकारों के प्रति मुखर होकर वे अब चुप रहने के बजाय शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के खिलाफ सीधे कानूनी कदम उठा रही है। लोक-लाज की परवाह किए बिना महिलाएं थानों में पहुंचकर पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने जैसा कदम भी उठाने से पीछे नहीं हट रही है। जिसके चलते जिले के पुलिस थानों में आए दिन महिलाओं के द्वारा अपने पतियों सहित ससुरालीजनों के खिलाफ पुलिस प्रकरण दर्ज कराने के मामले सामने आ रहे है।

भलेही श्योपुर जिले की गिनती प्रदेश के पिछडे जिलो में होती हो.लेकिन इसके बाद भी श्योपुर जिले की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती जा रही है। इसके पीछे कारण शिक्षा का प्रसार और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता है। महिलाएं अब यह समझ चुकी हैं कि चुप्पी अत्याचार को बढ़ावा देती है। वे



देवर के खिलाफ भाभी ने दर्ज कराय़ा मामला

देहात थाना क्षेत्र के ग्राम सौईकलां के एकतापुरा निवासी महिला ने अपने देवर के खिलाफ उसकी मारपीट करने की एफआईआर दर्ज कराई है। महिला रेखा पत्नी रामसिंह आदिवासी निवासी एकतापुरा ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार की सुबह घरेलू बातों को लेकर देवर सियाराम आदिवासी ने न केवल गाली गलौच की.बल्कि उसकी मारपीट भी कर डाली। पुलिस से जेले की रिपोर्ट पर सियाराम पर मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

अपने सम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए खुलकर आवाज उठा रही हैं। इसका ही परिणाम है कि जिले की महिलाएं ससुराल में पति सहित अन्य ससुरालीजनों के द्वारा दी जा रही प्रताड़ना के खिलाफ थाने पहुंचकर सीधे एफआईआर दर्ज कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को कोतवाली थाने में पहुंचकर जहां

महिला डोली खान ने अपने पति मोइन खान के खिलाफ प्रताड़ना की एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं देहात थाना क्षेत्र के ग्राम सौईकलां निवासी जुली पत्नी टिंकू बैरवा ने अपने पति टिंकू बैरवा और सास ससुर के खिलाफ घर परिवार की बात को लेकर उसकी मारपीट करने की एफआईआर दर्ज कराई है। इसके

महिलाओ के लिए सरकार और न्याय पालिका ने कई सशक्त प्रावधान किए
 घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम: इसके तहत महिला अपने पति या ससुराल वालों द्वारा कियीं भी प्रकार के दुर्व्यवहार (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक या आर्थिक) की शिकायत कर सकती है।

भारतीय न्याय सहिता (BNS) की धारा 85: यह पूर्ववर्ती IPC की धारा 498A का नया रूप है, जिसके अंतर्गत यदि पति या ससुराल वाले महिला के साथ क्रूरता (ट्वेज की भांन, मारपीट, मानसिक उत्पीड़न) करते हैं, तो 3 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

साझा घर में रहने का अधिकार: प्रताड़ित महिला को ससुराल के घर में रहने का कानूनी अधिकार प्राप्त है।

कड़ी भी केस दर्ज कराने की सुविधा: सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले (बी.आर.पी.सी. की धारा 177) के अनुसार, यदि महिला को ससुराल से निकाल दिया गया है या प्रताड़ित किया गया है, तो वह अपनी सुविधाानुसार किसी भी जगह (जैसे अपने मायके) से न्यूज़ 18 हिंदी के माध्यम से सुक्रमा दर्ज करा सकती है।

पूर्व देहात थाना क्षेत्र के ग्राम कनापुर निवासी रूकमणी बाई पत्नी प्रभुलाल मेहर ने अपने पति प्रभुलाल मेहर और बेटे हरिओम मेहर के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। महिला रूकमणी माहौर ने थाने में दर्ज कराई एफआईआर में बताया है कि उसके पति व बेटे ने उसकी व उसके दूसरे माते की घरेलू बातों को लेकर मारपीट कर दी। उधर रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नीचच में महिला दाखाबाई पत्नी सीताराम जाटव की बीती रात को उसके पति सीताराम ने देवरानी रूमाली जाटव से बातचीत करने की बात को लेकर रूकरी गाली

इनका कहना..

महिला और बालिकाओं को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है। जो भी महिलाएं और बालिकाएं फरियाद लेकर पहुंच कर रही है,उनकी फरियादी को गंभीरता से सुनकर उनकी एफआईआर भी तयपरा के साथ दर्ज की जा रही है।

सुधीर कुमार अववाल

एसपी श्योपुर

गलौच करते हुए मारपीट कर दी। इसके बाद महिला दाखा बाई ने रघुनाथपुर थाने पहुंचकर पति सीताराम के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज करवा दिया।

खबर संक्षेप

हाथमट्टी की 28 लीटर कच्ची शराब बरामद

अशोकनगर। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत पुलिस ने धर्मवीर यादव निवासी ग्राम भीकली के घर के पीछे से 28 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवकारी एवट का मामला दर्ज किया है।

करंट लगने से

युवक की मौत

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत ग्राम बिल्हेरू निवासी ओमकार पुत्र गुलाब पाल उम्र 45 साल की इन्द्राज कुशवाह के खेत में करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है मामले की जांच की जा रही है।

मारपीट की घटनाओं के अनेक मामले दर्ज किए

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत टीचर कॉलोनी अशोकनगर निवासी रविन्द्र राय ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राजकुमार, नीरज और शुभम राय ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत बसंत बिहार कॉलोनी निवासी दिव्यांस निगम उम्र 17 साल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पिता सर्वेश निगम ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुर्वाड़ निवासी सकील अहमद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी साहब सिंह यादव और तीन अज्ञात आरोपियों ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौकाबाद निवासी सुनील सांसी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राजा बागड़ी निवासी फजनपुर ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हारूखेडी निवासी निखिल यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी इन्द्रजीत सिंह संधु, हीरालाल यादव, अनिल यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी और उसका इलेक्ट्रॉनिक कांटा तोड़ दिया।

डीएपी खाद के लिए किसान हो रहे परेशान

अशोकनगर। मानसून की दस्तक आले एक सप्ताह में अशोकनगर सहित प्रदेश भर में होने की संभावना है। किसान खरीफ फसलों की बुवाई की तैयारियों में जुट चुके हैं, लेकिन विकासखंड स्तर पर जनपद पंचायत चंदेरी और जनपद शिक्षा केंद्र चंदेरी के संयुक्त तत्वाधान में कुक कम हेल्पर की कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मध्याह्न भोजन बनाने वाले महिला स्व सहायता समूह के रसोइयों ने अपनी पाक कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के मध्याह्न भोजन के कार्य में संलग्न 44 महिला स्व सहायता समूह के रसोइयों ने भाग लिया। इस

साधारण सभा की बैठक

17 व 18 को होगी

अशोकनगर। सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर महासंघ का प्रदेश सम्मेलन एवं साधारण सभा की बैठक 17 व 18 जून 2026 को सेवा भारतीय आवासीय विद्यालय केदारपुरम, ग्वालियर में आयोजित की गई है। जिसमें वसंत पुरोहित संरक्षक के विशेष प्रयासों से मुख्य अतिथि के रूप में नरेंद्र सिंह तोमर, विधानसभा अध्यक्ष की उपस्थिति की सहमति व स्वीकृति प्राप्त हो गई है, रमेश चंद्र शर्मा, अध्यक्ष म.प्र.कर्मचारी कल्याण समिति केबिटेड मंत्री दर्जा प्राप्त की उपस्थिति की स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। सम्य देने के लिए पेंशनर महासंघ हार्दिक स्वागत करता है।

सत्यनिष्ठा, वैराग्य और संयम की जीवंत प्रतिमूर्ति थे मुनि श्री, दीक्षा के पूर्व सांसारिक जीवन में बीना में व्यतीत किए करीब 47 वर्ष

महाराष्ट्र के कस्बे डिग्रज सांगली में मुनि श्री श्रुतसागर महाराज ने ली समाधि

हरिभूमि न्यूज

परम पूज्य 108 मुनि श्री श्रुतसागर महाराज ने 13 जून को शाम 5 बजकर 25 मिनट पर महाराष्ट्र के कस्बे डिग्रज सांगली में समाधिपूर्वक शांत भाव से देह का त्याग किया। अंतिम क्षणों तक उनका जीवन संयम, साधना और आत्मचिंतन से ओतप्रोत रहा। मुनि दीक्षा के पूर्व सांसारिक जीवन में सुभाष चंद्र जैन के नाम से जाने वाले उद्योगपति (अनिल इंडस्ट्रीज) का जीवन बीना में करीब 47 वर्षों तक व्यतीत हुआ। रियायर्ड रेल कर्मचारी आरके जैन ने बताया मुनि श्री श्रुतसागर महाराज का सांसारिक नाम सुभाषचंद्र जैन था। जिनका जन्म 5 सितम्बर 1945 को मध्यप्रदेश के मुंगावली नगर में धर्मपरायण परिवार में हुआ था। बचपन से ही प्रतिभाशाली, कर्मठ एवं धार्मिक प्रवृत्ति के थे। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात उन्होंने उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। नगर में औद्योगिक इकाई कृषि यंत्र निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश की अग्रणी



संस्थाओं में गिनी जाती थी। 26 अप्रैल 1969 को विवाह सम्पन्न हुआ। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी



आपका मन धर्म, स्वाध्याय और आत्मचिंतन में रमता था। वर्षों तक सफल पारिवारिक एवं

सामाजिक जीवन जीने के बाद भी आपके भीतर वैराग्य की भावना निरंतर प्रबल होती रही।

2010 तक सप्तम प्रतिमा का किया पालन

सन 1994 में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के दर्शन और सत्संग का सौभाग्य प्राप्त होने पर आपके जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन का नया अध्याय प्रारम्भ हुआ। गुरु प्रेरणा और धर्म साधना के प्रभाव से सांसारिक मोह-माया से विरक्ति का मार्ग अपनाया और आत्म कल्याण की दिशा में दृढ़तापूर्वक अग्रसर हुए। सन 2004 से प्रतिमाओं का क्रमशः पालन प्रारम्भ किया तथा 2010 तक सप्तम प्रतिमा का कठोर एवं अनुकरणीय पालन किया। धर्म, तप, त्याग और अनुशासन के प्रति आपके निष्ठा समाज के लिए प्रेरणादायी बन गई।

खुरई रोड स्थित अनेकांत ज्ञान मंदिर श्रुतधाम में मुनि श्री 108 सरलसागर महाराज की प्रेरणा से प्रतिमा जी की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उस समय मुनिश्री का स्पष्ट संदेश था

कि जिन प्रतिमा में वही राशि लगीनी चाहिए जो पूर्णतः एक नंबर अर्थात ईमानदारी, परिश्रम और सदाचार से अर्जित की गई हो। सुभाषचंद्र जैन का संपूर्ण जीवन सत्यनिष्ठा और निष्कलंक ईमानदारी का प्रतीक रहा। उन्होंने अपनी मेहनत की पवित्र कमाई का सदुपयोग करते हुए प्रतिमा जी को विराजमान कराया। यह उनके धर्मप्रेम, गुरुभक्ति, उच्च जीवन मूल्यों और जिनशासन के प्रति अटूट श्रद्धा का अनुपम उदाहरण है। दीर्घकालीन साधना, प्रतिमा पालन एवं वैराग्यपूर्ण जीवन के उपरांत 30 मई 2019 को महाराष्ट्र के कटवे सार में आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज के पावन कर कमलों से आपके दिगंबर मुनि दीक्षा प्रदान की गई। दीक्षा के पश्चात सम्पूर्ण जीवन संयम, तप, स्वाध्याय, ध्यान और आत्मकल्याण की साधना को समर्पित हो गया। संयम जीवन में मूलगुणों का कठोर पालन करते हुए साधु जीवन की गरिमा को नई ऊंचाइयों प्रदान की। आपकी सरलता, विनम्रता, गुरु भक्ति और आत्मसाधना ने श्रद्धालुओं को प्रभावित किया।

गणेश शंकर ताल पर रोपे पौधे बिल्हेरु में सजी विकास चौपाल



हरिभूमि न्यूज



ग्राम बिल्हेरु में सजी चौपाल, मौके पर हुआ

समस्याओं का समाधान इस विशेष अवसर को सुशासन के ध्येय से जोड़ते हुए ग्राम बिल्हेरु में एक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में क्षेत्रीय विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव ने ग्रामीणों के बीच बैठकर सोधे संवाद किया। उन्होंने लोगों की बिजली, पानी, सड़क और शासकीय योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को बेहद आत्मीयता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार का मूल मंत्र ही गरीब कल्याण है।

सांसद वानखेड़े ने विशिष्ट जनों से भेंट कर किया सत्मान

सुशासन के 12 वर्ष: विकसित भारत 2047 के संकल्प पर की विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन तथा गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्व होने पर आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत नगर मंडल में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ लता वानखेड़े ने बीना नगर मंडल के विशिष्ट जनों से भेंट कर विकसित भारत 2047 के संकल्प पर विस्तृत चर्चा की एवं फूल माला एवं शॉल श्री फल से सम्मान किया गया।

सबसे पहले सांसद वानखेड़े नरसिंह मन्दिर सेवा समिति अध्यक्ष एवं पत्रिकासेवी मदन सिंह राजपूत के निवास पर पहुंचीं जहां पर उन्होंने मदन सिंह राजपूत का सम्मान किया। इसी तरह शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अजब सिंह ठाकुर,



डॉक्टर पीडी साहू जय श्री साहू, अभिभाषक संघ अध्यक्ष रविंद्र कुमार जैन, अन्नकार सत्य प्रकाश नायक एवं सिंधी समाज अध्यक्ष संतोष वाधवानी के निवास पर पहुंच कर सभी का शॉल श्रीफल एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया एवं सभी से संवाद कर सभी से चर्चा की और समाधान

किया। वहीं कार्यकर्ताओं ने सांसद वानखेड़े का भी पुष्प, शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया। इसके अलावा सांसद लता वानखेड़े भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं शहडोल संभाग प्रभारी गौरव सिरोटिया एवं विधायक निर्मला सप्रे के निवास पर पहुंच कर परिजनों से भेंट की।

जगन्नाथ वाधवानी का किया सम्मान

गांधी वार्ड में वरिष्ठ भाजपा नेता जगन्नाथ वाधवानी का सांसद एवं प्रदेश महामंत्री लता वानखेड़े दिव्यी समाज अध्यक्ष संतोष कुमार वाधवानी के निवास पहुंची और नगर मंडल के गांधी वार्ड निवासी वरिष्ठ नेता जगन्नाथ वाधवानी से मुलाकात कर शाल श्री फल से सम्मानित किया एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रमों के दौरान विधायक निर्मला सप्रे, पूर्व विधायक डॉ विनोद पंथी, सागर जिला उपध्यक्ष संतोष सिंह ठाकुर, नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय, चितर सिंह ठाकुर, पवन यादव, विशाल कुर्मी, लता सकवार, आलेश राय, आशमा जैन, भारती राय, कृष्णा कुशवाहा, राजा बाबू यादव, रतन यादव, आनंद राजपूत, नंदकिशोर चौधरी, प्रदीप तिवारी, मनोज शर्मा, शुभम तिवारी, आशीष वाधवानी, नवीन साहू, मयंक जैन, सुरेंद्र राय, दिलीप जैन, विमल अहिंदवार, मनोज राय, विनय वाधवानी, मयंक जैन, संतोष कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

महिला स्व सहायता समूह के रसोइयों का कुकिंग प्रतियोगिता में पाक कला प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज

शासकीय विद्यालयों में संचालित प्रधानमंत्री शक्ति पोषण निर्माण योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर जनपद पंचायत चंदेरी और जनपद शिक्षा केंद्र चंदेरी के संयुक्त तत्वाधान में कुक कम हेल्पर की कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मध्याह्न भोजन बनाने वाले महिला स्व सहायता समूह के रसोइयों ने अपनी पाक कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के मध्याह्न भोजन के कार्य में संलग्न 44 महिला स्व सहायता समूह के रसोइयों ने भाग लिया। इस



प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के लिए एक समूह का चयन, द्वितीय स्थान के लिए दो समूह का चयन और तृतीय स्थान के लिए 3 स्व सहायता समूहों को चुना गया। इसी प्रकार सात्वना पुरस्कार के लिए भी 3 समूहों के रसोइयों का चयन निर्धारित मापदंडों के आधार पर निर्णायक मंडल के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान नायब

तहसीलदार हिमांशी गुप्ता, जनपद पंचायत के प्रभारी साईंओ माहौर, बी.ई.ओ., डॉ. सुरभी जैन, बी.आर.सी.सी.वेद प्रकाश गोयल, मध्याह्न भोजन भोजन शाखा प्रभारी रवि चतुर्वेदी, उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रकाश राय, राजस्व निरीक्षक पुरोहित, बीएससी कमलेश चिद्दार,धर्मपाल सिंह बुंदेला आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया रुक्मिणी विवाह उत्सव भागवत कथा के छठे दिन गूंजी शहनाई

हरिभूमि न्यूज

नगर के ऐतिहासिक जानकीनाथ शनि मंदिर में माहेश्वरी समाज द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान पूरा कथा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट और भक्तिमय भजनों से गुंज उठा। भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह की मरमोहक झांकी पर श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों की वर्षा की और भावविभोर होकर नृत्य किया।

महारास जीव और ब्रह्म का मिलन दिव्यांशु महाराज अयोध्या धाम से पधारे प्रख्यात कथावाचक, परम पूज्य प्रेममूर्ति दिव्यांशु महाराज ने व्यास पीठ से रास पंचाध्यायी का वैज्ञानिक व मार्मिक विश्लेषण किया। उन्होंने कहा महारास में वर्णित पांच अध्याय और उनमें गाए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं। जो भी ठाकुरजी के इन गीतों को भाव से गाता है, वह भवसागर से



पाए हो जाता है। महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया था। यह महारास वास्तव में जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जिससे जीव को परमानंद की प्राप्ति होती है और दुख-शोक से हमेशा के लिए निवृत्ति मिल जाती है।

कंस वध और उद्धव-गोपी संवाद का सजीव वर्णन कथा के छठे दिन महाराज श्री ने भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयज्ञ का वध, उद्धव-गोपी संवाद, द्वारकापुरी की स्थापना और रुक्मिणी विवाह के प्रसंगों का संगीतमय और भावपूर्ण पाठ किया। कंस वध का ओजस्वी वर्णन करते

हुए उन्होंने कहा कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है, तब-तब प्रभु दुष्टों के संहार के लिए अवतार लेते हैं। वहीं, माता रुक्मिणी को साक्षात लक्ष्मी जी का स्वरूप बताते हुए उन्होंने कहा कि उनका विवाह आत्मा का परमात्मा से मिलन का प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने कहा कि संस्कार युक्त जीवन से ही मुक्ति मिलती है। इस दौरान भजनों पर श्रद्धालु नाचते गाते नजर आए, महाभारती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य यजमान माहेश्वरी समाज के अरुण सोमानी,भारत पंसारी सहित संपूर्ण माहेश्वरी समाज के सदस्यों द्वारा व्यासपीठ के पूजन और आरती के साथ हुई।

विधायक ने प्रबुद्धजनों के साथ बैठक आयोजित की

पिपरई। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा सुशासन, गरीब कल्याण,महिला सशक्तिकरण के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में। कस्बे में एक प्रबुद्ध जन बैठक का आयोजन किया गया।यह बैठक भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह लालू यादव के निवास पर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंगावली विधायक एब पूर्व राज्यमंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव सांसद प्रतिनिधि लाखन सिंह कारिरिया नगर परिषद विधायक प्रतिनिधि रंजीत धाकरे उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राहुल यादव,पाण्डे प्रदीप यादव, लखन पटेल,राहुल यादव वाला प्रसाद सोनी,बृजेश यादव, रतमान यादव, राहुल जैन आनंद जोशी ववहनपुर,संजय जैन रविन्द्र शुक्ला, तमाशा सरपंच ओमप्रकाश पालीवाल,मोतीलाल धाकरे,सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

घोषणाओं के बाद भी सीमांकन करने में नाकामी अतिक्रमण की भेंट चंदेरी सिविल अस्पताल

हरिभूमि न्यूज

एक तरफ शासन और प्रशासन सिविल अस्पताल के वर्तमान परिसर को ही आधुनिक नवीन परिसर के रूप में तब्दील करने की कवायद में जुटा हुआ है, वहीं दूसरी तरफ नगर के रसूखदार अतिक्रमणकारियों और भू-माफियाओं के हौसले सातवें आसमान पर हैं। चंदेरी के नए अस्पताल निर्माण की तैयारियां जिस वर्तमान स्थल पर चल रही हैं, उसके आसपास की बेशकीमती खाली सरकारी भूमि पर कब्जाधारियों की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। यदि समय रहते स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की भूमि का पुख्ता सीमांकन नहीं कराया, तो आगामी दिनों में निर्माण कार्य के दौरान भारी गतिरोध और कानूनी बाधाएं उत्पन्न होना तय है।

कागजों में सिमटा उन्नयन, जमीनी हकीकत ढाक के तीन पात

चंदेरी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का इतिहास राजनीतिक घोषणाओं और प्रशासनिक उदासीनता का गवाह रहा है। तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चंदेरी में 100 बिस्तर के भव्य अस्पताल की घोषणा की थी, जो कागजी फाइलों से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद वर्ष 2019 में तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री कमलनाथ के कार्यकाल में 50 बिस्तरीय



अस्पताल के उन्नयन और नवीन चिकित्सकों के पदों को स्वीकृति तो मिली, लेकिन जमीनी स्तर पर नवीन सिविल अस्पताल का निर्माण आज भी आम जनता के लिए पाइथागोरस की प्रमेय की तरह एक अनसुलझी पहली बना हुआ है।

भविष्य की 3 हेक्टेयर भूमि पर भू-माफिया की गिद्ध दृष्टि

भविष्य की चिकित्सा आवश्यकताओं, आधुनिक पार्किंग, पार्क, चिकित्सक आवास, नर्सिंग स्टॉफ क्वार्टर और तकनीकी व सुरक्षा कर्मियों के सर्वसुविधायुक्त आवासों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 में सरकार द्वारा तीन हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया गया था। इस दूरदर्शी कदम का उद्देश्य यह था कि भविष्य में अस्पताल विस्तार का कोई बाधा न आए। परंतु, विडंबना यह है कि इस

आवंटित भूमि के चारों ओर खाली पड़े हिस्सों पर अतिक्रमणकारी धड़ाधड़ अवैध कब्जे कर रहे हैं। जिम्मेदारी से भागता प्रशासन वर्षों से लंबित है सीमांकन पत्रकारिता के दीर्घकालीन अनुभवों और जमीनी हकीकत को देखें तो खंड स्तरीय चिकित्सा अधिकारी चंदेरी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों और राजस्व विभाग को अनेक बार अस्पताल परिसर के सीमांकन के लिए आधिकारिक निवेदन पत्र भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद, किन अज्ञात कारणों और राजनीतिक दबावों के चलते आज दिनांक तक सीमांकन की कार्रवाई को टेंडे बस्ते में डाला गया है, यह जांच का विषय है। लापरवाही का आलम यह है कि अस्पताल भूमि का सरकारी खसरा तक आज तक अद्यतन नहीं है।